1 FOR 50

REACH • DISCIPLE • EMPOWER
THE NEXT GENERATION

50 के लिए 1 क्या है?

50 के लिए 1 एक वैश्विक जमीनी स्तर का आंदोलन है जो स्थानीय अगुवों को मसीह की अगली पीढ़ी को प्रभावित करने के लिए तैयार करता है।

हमारा मिशन (लक्ष्य) पहुँचना,शिष्य और अगली पीढ़ी सशक्तीकरण। महान आयोग के लिए हमारा जुनून और बच्चों के लिए प्यार हमें सपना तक लेजाता है, "क्या होगा अगर प्रत्येक समुदाय में प्रत्येक बच्चे के पास कोई व्यक्ति हो जो शिष्य तक पहुँच सकता है और उन्हें एक प्रभावशाली स्वर्ग का राज्य चैंपियन बनने के लिए सशक्त बना सकता है?"

हमारा रणनीति स्थानीय अगुवों को अच्छी तरह से तैयार करने के लिए हमारा मानना है कि यह करने का सबसे अच्छा तरीका है कि स्थानीय अगुवों को अपने अनूठे संदर्भों में बच्चों के साथ और उनके लिए, प्रासंगिक टूल और विचारों के साथ लैस करना और उन्हें लैस करना है।

हमारा समर्पण काम पूरा होने तक एक साथ मिलकर काम करे क्योंकि कार्य इतनी महान है, हम विभिन्न प्रोत्साहनों, विचारों और सहयोग के लिए विभिन्न कलीसियाओं, संप्रदायों, सेवकाई और क्षेत्रों से अगुवों से जुड़ते हैं।

बच्चे क्यों? अभी क्यों?

परमेश्वर बच्चों को प्यार करता है

- यीशु बच्चों को प्यार करता है!" यीशु ने कहा, बालकों को मेरे पास आने दोऔर उन्हें मना न करो :, क्योंकि स्वर्ग का राज्य ऐसों ही का है। (मत्ती 19:14)

बच्चों को यीशु की ज़रूरत है।

- 2.3 अरब बच्चें हमारे ग्रह पर रहते हैं।
- बच्चें हमारे विश्व के सर्वाधिक अनपहुँचे क्षेत्रों में आबादी का 50% हैं।
- बच्चें अपने दोस्तों और परिवारों को मसीह में लाने में भी सर्वश्रेष्ठ होते हैं।
- कम से कम ⅔ बच्चें मसीह को बिल्कुल भी नहीं जानते हैं।
- ⅔ बच्चें "जोखिम" की स्थितियों में रह रहे हैं।

बच्चे तैयार है।

- 70% लोग मसीह के पास 4 से 14 साल की उम्र के बीच आते हैं।
- अपने दोस्तों और परिवारों को मसीह के लिए लाने के लिए बच्चें श्रेष्ठ हैं।
- आज बच्चें पूरे चर्च का हिस्सा है, पूरे सुसमाचार को पूरी दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं।

कैसे अगुवें बच्चों को स्वर्ग का राज्य चैंपियंस बनने में मदद कर सकते हैं?

80 देशों के अगुवों ने पहचाना है कि बच्चों को स्थायी सेवकाई की ओर कैसे अग्रसर होना चाहिए:

एक: शिष्य बनाना (बच्चों को जीवन भर यीशु का अनुसरण करने के लिए मार्गदर्शन देना)

दो: अनपहुँचों तक पहुँचना (कलीसिया के बाहर के बच्चों तक पहुँचना, साथ ही साथ अंदर के भी)

तीन: परिवारों को शामिल करना (मसीही परिवारों को अपने बच्चों को स्वयं शिष्यता देने में सहायता करना, अनपहुँचे बच्चों और परिवारों तक पहुँचना)

सम्पूर्ण बच्चे को पोषित करना (हमारी देखभाल में बच्चों की मानसिक, सामाजिक, भावनात्मक, शारीरिक और आध्यात्मिक आवश्यकताओं के प्रति सेवा करना, साथ ही उनके भी जो किसी संकट में है)

पाँच: स्वर्गराज्य का निर्माण एक साथ मिलकर करना (बच्चों तक पहुँचने और शिष्यता देने के द्वारा राज्य का निर्माण करने के लिए मसीह की देह में दूसरों के साथ मिलकर काम करना)

छह: अगुवे का हृदय को गहराते हुए (यीशु के साथ अपने संबंध में बढ़ना है ताकि दूसरों को शिष्यों के रूप में विकसित करने में पहले कदम के रूप में स्वयं यीशु के अनुयायी के रूप में बढ़ना)

सात: बच्चों के साथ साझेदारी (सेवकाई में भागीदार बनने के लिए बच्चों को सशक्त बनाना और स्वतंत्र करना)

50 के लिए 1 का हिस्सा कौन है?

इसके मूल में, 50 के लिए 1 अभी भी एक के बारे में है: एक उद्धारकर्ता, एक बच्चे का अगुवा से प्यार कियाजाना, एक समय में एक बच्चे को प्यार करने और पूरे दिल से यीशु का अनुसरण करने के लिए मार्गदर्शन करना। हर 50 बच्चों के लिए एक अगुवे को तैयार करने से, दुनिया के 2.3 अरब बच्चों तक पहुँचने, अनुशासन और सशक्त बनाने संभव हो सकता है। आप मदद कर सकते हैं!

- अपने स्थानीय समुदाय में बच्चों को अपने परिवार, समुदायों और उससे आगे में स्वर्ग का राज्य चैंपियन बनने के लिए पहुँचना, शिष्य, और सशक्त बनाएँ।
- 50 के लिए 1 प्रशिक्षण संसाधनों का उपयोग कर बच्चों को स्थायी सेवकाई के लिए अन्य अगुवों को सुसज्जित करना।
- अपने क्षेत्र में अगुवों के साथ महत्वपूर्ण साझीदारी को सुदृढ़ करने, बच्चों के लिए अधिवेशन, दृढ़ संकल्प और दूसरों के द्वारा जुटाइए।
- विचारों और संसाधनों को साझा करें और दुनिया भर के बच्चों और उनके अगुवों के लिए प्रार्थना करें।

Visit the website
to join the movement!
www.1for50.net

4/14 window movement

global children's forum

viva together for children

50 के लिए1 बच्चों की एक सेवकाई प्रशिक्षण और नेटवर्किंग पहल है जो ग्लोबल चाइल्ड फोरम, 4/14 ग्लोबल इनिशिएटिव,वीवा, लॉजेन और अन्य आंदोलनों की सेवा करती है जो मसीह के लिए बच्चों तक पहुंचने और शिष्यता देने के लिए समर्पित हैं।